जिला ओद्धोगिक प्रोफ़ाइल

जयपुर

1 परिचय

MSME-DI जयपुर, लंबे समय से अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी जिलों की एक अद्यतन जिला ओद्धोगिक प्रोफ़ाइल रखता है। जैसे-जैसे औद्योगिक विकास और अन्य सामाजिक-आर्थिक मापदंडों का परिदृश्य समय-समय पर बदलता है, समय-समय पर प्रोफाइल के सभी मापदंडों को अद्यतन करना अनिवार्य हो जाता है। यह रिपोर्ट जिले के बारे में नीति निर्माताओं और एमएसएमई क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों के बारे में जानकारी के आसान प्रसार की सुविधा प्रदान करती है।

रिपोर्ट में दी गई जानकारी विभिन्न स्रोतों पर आधारित है। हम जिला उद्योग और उद्यम संवर्धन केंद्र राजस्थान, जिला लीड बैंक राजस्थान, केवीआईसी राजस्थान के आभारी हैं कि उन्होंने डेटा प्रदान करने में उनके पूर्ण समर्थन के लिए इस प्रोफ़ाइल को अपडेट करना संभव नहीं था। सूचना प्राप्त करने के लिए अपनाई गई कार्यप्रणाली उन्हें प्रदान किए गए प्रोफार्मा और ई-मेल के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित थी।

2. जिला जयपुर के बारे में

2.1 इतिहास

जयपुर, उत्तर भारत में राजस्थान राज्य का एक जिला है। जयपुर शहर, जो राजस्थान की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है एवं जिला मुख्यालय है। जयपुर जिले को तेरह उपखंडों में विभाजित किया गया है: जयपुर, अंबर, बस्सी, चाकसू, चोमू, मौजमाबाद, जामवा रामगढ़, फागी, फुलेरा, कोटपुतली, सांगानेर, शाहपुरा और विराटनगर।

जयपुर की स्थापना 1727 में आमेर के शासक राजपूत शासक जय सिंह द्वितीय ने की थी, जिनके नाम पर शहर का नाम पड़ा। यह आधुनिक भारत के शुरुआती नियोजित शहरों में से एक था, जिसे विद्याधर भट्टाचार्य द्वारा डिजाइन किया गया था। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान, शहर जयपुर राज्य की राजधानी के रूप में कार्य करता

था। 1947 में आजादी के बाद जयपुर को नवगठित राज्य राजस्थान की राजधानी बनाया गया।

जयपुर भारत में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है और दिल्ली और आगरा (240 किमी, 149 मील) के साथ पश्चिम स्वर्ण त्रिभुज पर्यटन सर्किट का एक हिस्सा है। यहाँ दो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों - जंतर मंतर और आमेर किला है। यह राजस्थान के अन्य पर्यटन स्थलों जैसे जोधपुर (348 किमी, 216 मील), जैसलमेर (571 किमी, 355 मील), उदयपुर (421 किमी, 262 मील), कोटा (252 किमी, 156 मील) के प्रवेश द्वार के रूप में भी कार्य करता है। माउंट आबू (520 किमी, 323 मील)। जयपुर शिमला से 616 किमी दूर स्थित है।
6 जुलाई 2019 को, यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति ने जयपुर को अपने विश्व धरोहर स्थलों में 'भारत का गुलाबी शहर' अंकित किया। यूनेस्को की सूची में जयपुर को शामिल करने की घोषणा 6 जुलाई को बाकू, अजरबैजान में यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति की 43 वीं बैठक के बाद की गई थी। जयपुर एक हलचल भरा महानगरीय शहर है और इसलिए इस शहर में व्यापार फलता-फूलता है। जयपुर उन चीजों से भरा हुआ है जो इसकी संस्कृति को प्रतिबिंबित कर सकती हैं। कला और शिल्प, व्यंजन, मेले और त्यौहार, साथ ही साथ जयपुर के लोग शहर की संस्कृति को बनाते हैं। इस शहर में दाल बाटी चूरमा, घेवर, फेनी, गजक और अन्य स्वादिष्ट भोजन जैसे व्यंजन मिल सकते हैं। कथक के लिए जयपुर घराना प्रसिद्ध रहा है । इसके अलावा, मेले और त्यौहार जैसे जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल, पतंग महोत्सव, तीज उत्सव, चाक्षु महोत्सव, हाथी मेला, छत का मेला आदि सभी शहर में कुछ आकर्षण हैं। शहर की समृद्ध और समृद्ध संस्कृति शहर की रूपरेखा - शाही महलों और विभिन्न विरासत स्थलों में प्रतिबिंबित होती है जो केवल गुलाबी शहर के लिए प्रामाणिक हैं।

2.2 स्थान और भौगोलिक क्षेत्र

जयपुर 26° 55' उत्तरी अक्षांश और 75° 49' पूर्वी देशांतर पर स्थित है। यह शहर उत्तर में नाहरगढ़ पहाड़ियों और पूर्व में झालाना से घिरा हुआ है, जो अरावली पहाड़ियों-श्रेणियों का एक हिस्सा है। शहर के दक्षिण और पश्चिम में भी प्रचलित पहाड़ियाँ हैं। शहर का दक्षिणी छोर मैदान के लिए खुला है और सांगानेर और उससे आगे की ओर दूर-

दूर तक फैला हुआ है। चारदीवारी वाला शहर मूल रूप से शहर के दोनों ओर एक आसान जल निकासी व्यवस्था प्रदान करने के लिए पथरीली सड़क पर स्थित था, लेकिन शहर का भविष्य विस्तार दक्षिण और पश्चिम में अमानी शाह नाला के संगम क्षेत्र में बने जलोढ़ मैदानों पर हुआ। जयपुर जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 11143 वर्ग किलोमीटर है। किमी. है, जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 3.23 प्रतिशत है।

2.3 स्थलाकृति

जयपुर शहर और उसके आसपास का सामान्य ढलान उत्तर से दक्षिण और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर है। उत्तर में उच्च ऊंचाई नाहरगढ़ (587 मीटर) की निचली, सपाट-शीर्ष वाली पहाड़ियों के रूप में मौजूद है। जयगढ़, अंबर और अमरगढ़, जो गहराई से विच्छेदित और नष्ट हो गए हैं। "मोती डूंगरी" नामक एक अलग पहाड़ी, जिस पर एक पुराना शाही महल मौजूद है, राजस्थान विश्वविद्यालय के पास है। इसके अलावा दक्षिण में, मैदानी क्षेत्रों का स्थलाकृतिक स्तर भिन्न भिन्न है। दक्षिण में बांदी और धुंड नदियों के साथ 280 मीटर और सामोद पहाड़ियों के पास चोमू के उत्तर पूर्व में लगभग 530 मीटर के बीच है। समग्र प्रवृत्ति यह है कि उत्तर में पहाड़ियों की सीमा से लगे क्षेत्रों से, दक्षिण में मैदानी इलाकों में मैदानी इलाकों की और सामान्य रूप से ढलान है।

2.4 मिट्टी के प्रकार और सिंचाई

तहसील दूदू और फागी और चाकसू और कोटपुतली, विराटनगर का हिस्सा, जिसमें भारी मिट्टी है, को छोड़कर प्रमुख क्षेत्र बनावट में रेतीले दोमट है। इन मिट्टी में नाइट्रोजन की कमी होती है लेकिन फास्फोरस और पोटाश में कमोबेश सामान्य होती है। प्रमुख खरीफ फसलें मूंगफली, बाजरा, खरीफ दलहन और रबी, गेहूं, सरसों, जौ और चना में हैं। प्रमुख सब्जियां अर्थात। टमाटर, मटर, मिर्च, बैंगन, पत्ता गोभी, फूलगोभी आदि की खेती की जाती है। बेर, आंवला, बेल, अमरूद, नींबू आदि जिले की महत्वपूर्ण फल फसलें हैं। बागवानी के विकास की अच्छी संभावनाएं हैं। कुएँ और नलकूप सिंचाई के प्रमुख स्रोत हैं। पानी के इष्टतम उपयोग के लिए, स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई प्रणाली बहुत लोकप्रिय हो रही हैं। सकल सिंचित क्षेत्र - 361235 हेक्टेयर और शुद्ध सिंचित क्षेत्र - 302428 हेक्टेयर।

2.5 खनिजों की उपलब्धता

जिले में विभिन्न प्रकार के खनिज मौजूद हैं, जैसे कि फेल्डस्पार, क्वार्ट्ज, चूना पत्थर, अभ्रक, सिलिका रेत, चाइना क्ले, पाइरोलाइट और अन्य खनिज जैसे चेजा पत्थर, अमरबेल और कुछ छोटे खनिज। इनमें से एक या एक से अधिक खनिज गांवों में पाए जाते हैं। यहाँ सात गाँव हैं जिनमें प्रमुख खनिज पाए जाते हैं। ये गाँव हैं, बसखोह, श्यामपुरा, लालगढ़, मारवा, निमोदिया, संकोटरा और आदरवा। इन सभी गांवों में, संकोत्रा को छोड़कर, चेजा पत्थर भी मौजूद है, जहां अतिरिक्त खनिज के रूप में मार्बेल मौजूद है।

जिले में विभिन्न प्रकार के खनिज भंडार पाए जाते हैं। ये हैं:

धात्विक/गैर-धातु खनिज	**क्षेत्र जहां यह जिले में उपलब्ध है**	**नए खनिज आधारित उद्योगों के लिए संभावनाएं**
Metallic/Non-Metallic Minerals	**Localities where its available in the District**	**Prospects for New Mineral Based Industries**
धात्विक खनिज		
लौह-अयस्क	मोरिजा- नीमला, लालसोत, नायला, रावसोला-बोमनी, डबला, रामपुरा	मशीन टूल्स, परिवहन उपकरण, निर्माण सामग्री आदि
गैर-धातु खनिज		
कैल्साइट	द्वारिकपुरा और नज़र	ग्लेज़ेड टाइलें, कांच और चीनी मिट्टी की चीज़ें, कपड़ा, फिलर पेंट और मोर्टार
क्ले	तोर्डा, बुखारा, फतेहपुर	सिरेमिक, सौंदर्य प्रसाधन, पेंट, कागज, सीमेंट, मिट्टी के बर्तन
डोलमाइट	कोटपुतली, मनवा रामगढ़, भैसलाना, दौसा	धातुकर्म, कांच उद्योग, सीमेंट उद्योग

रॉक फॉस्फेट	अचरोल	सिंगल सुपर फॉस्फेट, ट्रिपल सुपर फॉस्फेट, डाय-अमोनियम फॉस्फेट, फॉस्फोरिक एसिड, एलिमेंटल फॉस्फोरस
सिलिका रेत	झिर, खोरी, निमोड़ा, बांसखोह	बॉयलर और कांच की गांठ, फ्लोरोसेंट ट्यूब, टीवी स्क्रीन, वाहन विंड स्क्रीन और चश्मा, आग के गिलास
फेल्डस्पार	जयपुर	क्रायोलाइट, हाइड्रोफ्लोरिक एसिड, सिरेमिक, वेल्डिंग इलेक्ट्रोड, कांच उद्योग, कृत्रिम दांत
सोप स्टोन	डोगेथा-झराना	कॉस्मेटिक उद्योग, रासायनिक उद्योग, रबर उद्योग, मुद्रण स्याही

2.6 वन

वन 2017-18 में 82807 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करता है जो जिले के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 5% से अधिक है। सहायक एडैफिक प्रकार के शुष्क उष्णकटिबंधीय वन, जिले में पाए जाते हैं जहां ढोक या ढोकरा सबसे आम पेड़ है। पाई जाने वाली अन्य प्रजातियां अडोसा, गुर्जन, सालार हैं,झिंगा, बाबुल, सिरिस, बार, गूलर, पीपल, शीशम पीलू, हिंगोटा, खेजरा, कैर और जामुन आदि। जिले के जंगल से प्राप्त लकड़ी का उपयोग छत के साथ-साथ ईंधन के प्रयोजनों के लिए, कृषि उपकरणों के निर्माण के लिए किया जाता है। ब्लैक बक, नीलगाय, लंगूर, चिंकारा, चीतल या चित्तीदार प्रिय, फॉक्स, फेना, हेजहोग, साही सियार, जंगली बिल्ली, सांभर जिले में पाए जाते हैं।

2.7 जलवायु और वर्षा

जिले की जलवायु शुष्क और स्वस्थ है और विभिन्न स्थानों पर अत्यधिक ठंड और गर्मी के अधीन है। जिले में दर्ज न्यूनतम तापमान 1.0C से 8.C तक होता है। दक्षिण पश्चिमी मानसून के समय औसत आर्द्रता 60 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। जिले में बारिश का मौसम आमतौर पर जून से सितंबर तक रहता है और सामान्य वार्षिक वर्षा 55.64 सेमी होती है।

2.8 प्रशासनिक व्यवस्था

राज्य की राजधानी होने के कारण, जयपुर में विधानसभा, सचिवालय, संभागीय और जिला स्तर के कार्यालयों के साथ अधिकतम सरकारी विभागों के राज्य स्तरीय कार्यालय हैं। जयपुर, अंबर, बस्सी, चाकसू, चोमू, मोजमाबाद, जामवा रामगढ़, फागी, फुलेरा, कोटपुतली, सांगानेर, शाहपुरा, विराटनगर, किशनगढ़ रेनवाल, दूदू, कोटखवाड़ा के नाम से 16 तहसील और 13 उप-मंडल हैं।

15 पंचायत समितियां अंबर, बस्सी, चाकसू, गोविंदगढ़, दूदू, जामवा रामगढ़, फागी, सांभर, झोटवाड़ा, कोटपुतली, शाहपुरा, सांगानेर, विराटनगर, जालसू, पावाटा हैं

जिले मे 13 उप-विभाजन (सब डिवीजन), 16 तहसील, 15 पंचायत समितियां, 532 ग्राम पंचायत, 10 नगर पालिका, 2 नगर निगम एवं 2437 गांव है।

2.9 जनसांख्यिकी

2011 की जनगणना के अनुसार जयपुर की कुल जनसंख्या 66,26,178 है जो राज्य की कुल जनसंख्या का 9.72 प्रतिशत है। जयपुर में शहरी आबादी का प्रतिशत 52.5 प्रतिशत है, जो राज्य के औसत 24.9 प्रतिशत से काफी अधिक है। जिले में कुल आबादी में से 3,490,787 पुरुष और 3,173,184 महिलाएं हैं। यह प्रति 1000 पुरुषों पर 909 महिलाओं का लिंगानुपात देता है। राजस्थान में जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 21.44 प्रतिशत है, जबकि जयपुर जनसंख्या में 26.91 प्रतिशत दशकीय वृद्धि दर्ज करता है। 2011 में जिले का जनसंख्या घनत्व 595 है। जिले में अनुसूचित जाति की आबादी 15 प्रतिशत है जबकि अनुसूचित जनजाति की आबादी 8 प्रतिशत है।

2.10 जिला सांख्यिकी एवं उद्योग एक नजर में

क्रमांक विशेष वर्ष इकाई सांख्यिकी

1. भौगोलिक विशेषताएं

(ए) भौगोलिक डेटा

51'°32' से 27°i) अक्षांश 26

50'°55' से 76°ii) देशांतर 74

iii) भौगोलिक क्षेत्र हेक्टेयर 14,06,800

(बी) प्रशासनिक इकाइयां

i) सब डिवीजन 2016 नंबर 13

ii) तहसील 2016 संख्या 16

iii) उप-तहसील 2016 संख्या -

iv) पटवार सर्कल 2016 संख्या 613

v) पंचायत सिमिटिस 2016 संख्या 15

vi) नगर निगम 2016 संख्या 1

vii) नगर पालिका 2016 संख्या 10

viii) ग्राम पंचायत 2016 संख्या 532

xi) गांव 2016 संख्या 2420

x) विधानसभा क्षेत्र 2016 संख्या 19

xi) लोकसभा क्षेत्र 2016 संख्या 2

2. जनसंख्या

(ए) सेक्स-वार

i) पुरुष 2011 संख्या 3468507

ii) महिला 2011 संख्या 3157671

(बी) ग्रामीण जनसंख्या 2011 संख्या 3258299

(सी) शहरी जनसंख्या 2011 संख्या 3367879

3. कृषि

ए भूमि उपयोग

i) कुल क्षेत्रफल 2016-17 हेक्टेयर 14,06,800

ii) वन आवरण 2016-17 "82,766"

iii) गैर कृषि भूमि 2016-17 "85,340"

v) परती भूमि 2016-17 " 1,36,810"

4. वन

(i) वन 2015-16 हेक्टेयर 9456.63

5. पशुधन और कुक्कुट

ए मवेशी

i) गाय 2012 संख्या 634941

ii) भैंस 2012 संख्या 1073386

बी अन्य पशुधन

i) बकरियां 2012 संख्या 837094

ii) पिग्स 2012 संख्या 21203

iii) भेड़ 2012 संख्या 229948

iv)घोड़े और टट्टू 2012 संख्या 1175

v) खच्चर 2012 संख्या 51

vi) गधे 2012 संख्या 1300

vii) ऊंट 2012 संख्या 4896

iv) रेलवे

i) रेल लाइन की लंबाई 2015-16 कि.मी

वी) सड़कें

(ए) राष्ट्रीय राजमार्ग 2015-16 किलोमीटर 453

(बी) राज्य राजमार्ग 2015-16 किलोमीटर 625

(VI) संचार

(ए) 31 दिसंबर 2016 तक टेलीफोन कनेक्शन 163833

(बी) डाकघर संख्या 590

(सी) टेलीफोन एक्सचेंज नंबर 202

(डी) मोबाइल 2015-16 नंबर -

(सातवीं) सार्वजनिक स्वास्थ्य

(ए) एलोपैथिक अस्पताल 2015-16 नंबर 210

(बी) आयुर्वेदिक अस्पताल नंबर 180

(सी) यूनानी अस्पताल संख्या -

(डी) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संख्या 18

(ई) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संख्या 97

(च) औषधालय संख्या 39

(छ) उप स्वास्थ्य केंद्र संख्या 525

(आठवीं) बैंकिंग वाणिज्यिक

(ए) वाणिज्यिक बैंक 2017-18 संख्या 914
(बी) ग्रामीण बैंक 2017-18 संख्या 112
(सी) विदेशी बैंक 2017-18 संख्या 3
सहकारी बैंक 2017-18 संख्या 31
(डी) आरएफसी और शाखाएं 2017-18 संख्या 4
31.03.2017 तक एटीएम संख्या 1763
(IX) शिक्षा
(ए) प्राथमिक विद्यालय संख्या 2416
(बी) मध्य विद्यालय संख्या 1344
(सी) माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय संख्या 1760
(डी) कॉलेज 2016-17 संख्या 285
(ई) तकनीकी विश्वविद्यालय संख्या 11

उद्योग एक नजर में

क्र.सं. प्रमुख इकाई विवरण
1. पंजीकृत औद्योगिक इकाई संख्या 35600
2. कुल औद्योगिक इकाई संख्या 37785
3. मध्यम और बड़ी इकाई संख्या 29 . की संख्या
4. एमएसएमई में सृजित रोजगार संख्या 210100
5. बड़े और मध्यम उद्योगों में रोजगार संख्या 11101
6. औद्योगिक क्षेत्र की संख्या 46
7. एमएसएमई का निवेश लाख 460488 . में

3. संसाधनों का विश्लेषण

जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, जयपुर को राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी जिले में से एक माना जाता है, जो मुख्य रूप से जयपुर का केंद्रीय स्थान और दूसरा राजधानी शहर होने के साथ-साथ रेल और सड़कों द्वारा सभी के लिए सुविधाजनक पहुंच के कारण है। राज्य के साथ-साथ देश के महत्वपूर्ण व्यापार केंद्र। इसमें मांग आधारित, संसाधन आधारित और फुट लूज उद्योगों के विकास की अच्छी संभावना है। जिले में कृषि मुख्य व्यवसाय है और शहरी और ग्रामीण व्यक्तियों को रोजगार के सबसे बड़े अवसर प्रदान करता है।

इस रिपोर्ट में मानव संसाधन के साथ-साथ भौतिक संसाधनों पर पहले ही चर्चा की जा चुकी है। वहाँ देखा जा सकता है कि जिले में कृषि आधारित उद्योगों, पशुधन आधारित उद्योगों, खनिज आधारित उद्योगों के लिए अच्छे औद्योगिक अवसर हैं। ग्रामीण और कोटिज उद्योगों की विविध प्रकृति के अलावा मांग आधारित उद्योग लगाने की भी अपर संभनाए है। जिले में ऐसी औद्योगिक इकाइयों का विकास। जयपुर उद्यमशीलता की प्रतिक्रिया के साथ-साथ औद्योगीकरण के प्रति उनके दृष्टिकोण और जिले में पर्याप्त औद्योगिक वातावरण विकसित करने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रचार कार्यों पर भी निर्भर करता है।

जयपुर में कृषि और खनन कार्यबल का मुख्य व्यवसाय है। जिले के ग्रामीण लोगों ने जिले के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में उचित और पर्याप्त औद्योगिक आधार विकसित नहीं किया है। हालाँकि, रामगढ़, बस्सी, बैराठ आदि विभिन्न पंचायत समितियों में ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ विभिन्न खनिज संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। जिसके आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में स्टोन ग्राइंडिंग, स्टोन पाउडर चिप्स और संरचनात्मक वस्तुओं से संबंधित इकाइयां स्थापित की जा सकेंगी। ऐसे उद्योगों के अलावा, बढ़ईगीरी, लोहार, कढ़ाई, रंगाई और छपाई, कालीन, निर्माण पेंटिंग, लकड़ी की नक्काशी, और चमड़े के उत्पाद, जूता बनाने, चमड़े की कढ़ाई आदि से संबंधित अन्य ग्रामीण और कुटीर उद्योग भी स्थापित किए जा सकते हैं। जिले के अर्ध-शहरी क्षेत्र।

3.1 भूमि-उपयोग/भूमि-जोत का पैटर्न

जयपुर जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर में दर्ज किया गया। किमी. जिले में भूमि उपयोग का वर्गीकरण निम्नानुसार पाया गया

क्र. सं.	भूमि उपयोग का वर्गीकरण	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) 2017-18
1	Forest वन क्षेत्र	82807
2	गैर कृषि उपयोग भूमि	221182
3	बंजर एवं असिंचित भूमि	41005
4	परती भूमि	137116
5	शुद्ध सिंचित क्षेत्र	317702
6	कुल सिंचित क्षेत्र	376638
7	एक से अधिक बार बोया जाने वाला क्षेत्र	58936

स्रोत: भूमि अभिलेख विभाग। जयपुर

3.2 विरासत और पर्यटन

जयपुर जिले में कई धार्मिक ऐतिहासिक, पुरातात्विक महत्व के स्थान के साथ-साथ सिटी पैलेस, महाराजा सवाई मानसिंह संग्रहालय, जंतर-मंतर, हवा महल, केंद्रीय संग्रहालय (अल्बर्ट हॉल), नाहरगढ़ किला, जय जैसे पर्यटकों की रुचि के स्थान हैं। गढ़ का किला, आमेर का किला, सामोद पैलेस आदि जहां हर साल बड़ी संख्या में घरेलू पर्यटक और घरेलू पर्यटक आते हैं।

वर्ष 2019 मे जयपुर आने वाले पर्यटकों का विवरण निम्न प्रकार है।

घरेलू पर्यटक	घरेलू पर्यटक	कुल पर्यटक
435433	177649	613082

3.3 खनिज और कच्चा माल

जिले में विभिन्न प्रकार के धात्विक और अधात्विक खनिज भंडार पाए जाते हैं। जिले में पाए जाने वाले प्रमुख खनिज संसाधनों का विवरण इस प्रकार है:

ए चिनक्ले

चीनी मिट्टी की उत्तम गुणवत्ता जिले में पाई जाती है। चीनी मिट्टी की बेहतरीन गुणवत्ता बुखारा, फतेहपुर किशोरपुरा में सफेद या दूधिया रंग की होती है। चीनी मिट्टी का अनुपात 39 से 66 प्रतिशत के बीच रहता है। चीन की मिट्टी तोरदा, मीना की ढाणी, खिलोना, नीमली, नालधानी गांवों में पाई जाती है।

बी डोलोमाइट

राज्य में डोलोमाइट के कुल उत्पादन का लगभग 50 प्रतिशत केवल जयपुर जिले से आता है। यह मुख्य रूप से एक दुर्दम्य प्रवाह और निर्माण सामग्री के रूप में उपयोग किया जाता है। स्मकोटा, रजवाला, रसकटा गांवों में मिला डोलोमाइट। थाली.

सी लोहा

जिले में लौह-एक जमा मुख्य रूप से मरजिया, रामपुरा नैला में स्थित है। नीमला, राजपुर, मौदा, डबला बगवा, तटेरी और बानी-का बस। मोरिजा और नीमला क्षेत्रों से भंडार 2.38 मिलियन टन के क्रम का अनुमान लगाया गया है। गांव बगवास, कलायपुरी, तातिवास, ठाकुरों की ढाणी में पाया जाने वाला लोहा।

D. चूना पत्थर

सीमेंट ग्रेड चूना पत्थर कानोटा, पवना, मोहनपुरा गांवों के पास होता है। ग्राम संकोटारा गोरेट लादीपुरा, रसाला, रानीपुआ, खेतपुरा, दानीवारा, बरखेड़ा, खरेड़, सरमोली में चूने की खुदाई के लिए जोधपुर, पंचपरी, बनार, पवना अहीर कोटपुतली तहसील अन्य.

ई. सिलिका सैंड

जिले में बांसकोह और झार की पहाड़ियाँ सिलिका बालू का मुख्य स्रोत हैं, जिसके लिए लगभग 28 लाख टन भंडार का संकेत दिया गया है। अन्य घटनाएं खोरी, निमोरा, धौला, भांकरी, भुज, चित्तोरी, गुमानपुरा और सामूद में हैं।

एफ साबुन पत्थर

सोपस्टोन की सबसे अच्छी किस्म डोगेथा-झरना में पाई जाती है। अन्य जमा गीजघर, खावा आदि में हैं। क्षेत्र में लगभग 0.25 मिलियन टन के अनुमानित भंडार का संकेत दिया गया है।

जी मार्बल

अंधी क्षेत्र में स्थित मार्बल के लगभग 100 खनन पट्टे हैं जिन्हें अंधी मार्बल सामान्य गुणवत्ता के रूप में जाना जाता है जिसे अंधी पिस्ता और इंडो-इटालियन ग्रेड के नाम से जाना जाता है।

एच. क्वार्ट्ज और फालेसपार

यह ज्यादातर रेफेक्टरी उद्देश्य और कांच उद्योग में उपयोग किया जाता है, यह मुख्य रूप से फागी और दूदू में आम इलाका है, उसी गांव के अंतर्गत मौजंबद सोकेम धामडोली एनला आदि हैं।

खनिज आधारित प्रमुख उढ़्योग निम्न प्रकार है।

1 संगमरमर के घोल से ईंटें , सीमेंट, स्टोन की कटिंग और पॉलिशिंग, क्विक लाइम, टाइलें, रिफरेक्टरी, हाइड्रेटेड लाइम, स्टोन नक्काशी, संगमरमर और ग्रेनाइट हस्तशिल्प की वस्तुएं, सफेद सीमेंट, ग्रेनाइट व संगमरमर की स्लैब और टाइलें, जिंक ऑक्साइड, स्लैब और टाइलें, पिसे हुए खनिज आदि।

4.2 परिवहन

सड़क नेटवर्क

जयपुर दिल्ली और मुंबई को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 12 जयपुर को कोटा से जोड़ता है और राष्ट्रीय राजमार्ग 11 बीकानेर को जयपुर से गुजरने वाले आगरा से जोड़ता है। RSRTC राजस्थान, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और गुजरात के प्रमुख शहरों के लिए बस सेवा संचालित करता है। सिटी बसों का संचालन आरएसआरटीसी के जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड द्वारा किया जाता है। यह सेवा 400 से अधिक नियमित और लो-फ्लोर बसों का संचालन करती है। प्रमुख बस डिपो वैशाली नगर, विद्याधर नगर और सांगानेर में स्थित हैं।

जयपुर में सड़क की लंबाई (पीडब्ल्यूडी) 2019-20 (31-03-2019) (किमी में)

डामर	मेटल	ग्रेवल	मोसमी	कुल
7098.09	21.09	17.00	6.90	7143.08

रेल परिवहन

जयपुर भारतीय रेलवे के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र का मुख्यालय है। जयपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन भारत के सभी प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, इंदौर, लखनऊ और अहमदाबाद से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। अन्य स्टेशनों में गांधीनगर, दुर्गापुरा, जगतपुरा, निनाद बेनाड और सांगानेर शामिल हैं।

जयपुर जिला श्रीगंगानगर के साथ ब्रॉड गेज रेल मार्ग से जुड़ा हुआ है। अजमेर, उदयपुर और आबू रोड, जयपुर पड़ोसी राज्य के प्रमुख केंद्रों जैसे आगरा (यू.पी.) अहमदाबाद (गुजरात) और दिल्ली से भी जुड़ा हुआ है। अब जयपुर को ब्रॉड गेज से जोड़ दिया गया है, जिससे सवाई माधोपुर, कोटा मुंबई, पुणे, दिल्ली, जोधपुर, जम्मू, अजमेर, कलकत्ता जैसे शहरों से सीधा कनेक्शन हो गया है।

एयरपोर्ट कनेक्टिविटी

जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भारतीय राज्य राजस्थान की राजधानी जयपुर की सेवा करने वाला प्राथमिक हवाई अड्डा है। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को 2015 और 2016 के लिए प्रति वर्ष 2 से 5 मिलियन यात्रियों की श्रेणी में विश्व का सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा घोषित किया गया है।

यह जयपुर से 13 किमी (8.1 मील) दूर सांगानेर के दक्षिणी उपनगर में स्थित है। हवाई अड्डे को 29 दिसंबर 2005 को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा दिया गया था। सिविल एप्रन में 14 विमान बैठ सकते हैं और नया टर्मिनल भवन एक बार में 1000 यात्रियों को संभाल सकता है।

4.3 तक संचार सुविधाओं का नेटवर्क

विवरण	**संख्या**
डाकघर	592

उपभोक्ता केंद्र 24

टेलीफोन 163833

ग्रामीण 20117

जयपुर शहर 173842

(स्रोत: कलेक्ट्रेट, जयपुर)

4.2 वित्तीय सुविधाये

❖ बैंक एवं उनके द्वारा किया गया वित्तीय सहयोग (मार्च 20)

S.No	Name	March 2020
1	सरकारी	704
2	निजी	314
3	ग्रामीण	112
4	सहकारी बैंक/भूमि	32
5	राजस्थान वित्तीय निगम	4
6	विदेशी	3
	कुल	**1169**
	ए टी एम 31.3.2020 तक	1951

सार्वजनिक वित्त में लगे अन्य संस्थागत कार्यालय- राजस्थान वित्तीय निगम के कार्यालय मार्च, 2020 तक जयपुर जिले में राजस्थान वित्तीय निगम (RFC) के चार कार्यालय हैं और ये यहां स्थित हैं:

मैं। आरएफसी प्रधान कार्यालय उद्योग भवन जयपुर

ii. जयपुर (मध्य) सी-96, जगन पथ, चोमू हाउस, जयपुर।

iii. जयपुर (उत्तर), रोड नंबर -4, वी.के.आई. क्षेत्र, जयपुर।

iv. जयपुर (दक्षिण), ईपीआईपी, इंडस्ट्रीज़ एरिया, सीतापुरा, जयपुर।

आईडीबीआई और सिडबी औद्योगिक इकाइयों का वित्तपोषण कर रहे हैं।

4.3 ऊर्जा संसाधन

A. Electrification/Grid Station

जयपुर डिस्कॉम में 33/11 केवी की 8766 एमवीए क्षमता के 1670 सब-स्टेशन, 15098 किमी लंबी 33 केवी सब ट्रांसमिशन लाइन, 127500 किमी 11 केवी लाइन, 142800 किमी एलटी लाइन और 13902 एमवीए क्षमता के 636123 डिस्ट्रुब्यूशन ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं।

बिजली की खपत का पैटर्न (31.03.2020 तक)

S.No	**Category**	**उपभोक्ता**
1	घरेलू	712610
2	गैर घरेलू	154017
3	स्ट्रीट लाइट	1263
4	कृषि	2664
5	**ओढ़्योगिक**	
	(a)लघु	10466
	(b)माध्यम	3914
	(c)व्रहद	957
9	**जन स्वस्थ्य अभियान्त्रिकी**	
	(a)लघु	3604
	(b)माध्यम	26
	(c)व्रहद	53

13	मिश्रित लोड	348
14	**कुल**	**889922**

औद्योगिक प्रोफाइल

जयपुर जिला राजस्थान राज्य की राजधानी के साथ–2 राज्य के सबसे अधिक औद्योगिक दृष्टि से विकसित जिलों में है। जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 11117.8 वर्ग किलोमीटर है। 52.52 लाख की जनसंख्या के साथ जयपुर जिला राज्य में आबादी की दृष्टि से भी सबसे बड़ा जिला है जिसमें ग्रामीण क्षेत्र की आबादी 26.58 लाख है।

जयपुर जिले में औद्योगिक विकास की तीव्र गति के मध्यनजर उद्योग विभाग की सुविधाओं को उद्यमियों को तत्परता से उपलब्धता सुनिश्चित कराने की दृष्टि से राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1996 में जिले को औद्योगिक दृष्टि से दो भागों में विभक्त कर दिया गया है। जयपुर नगर निगम का क्षेत्र व इसमें पड़ने वाले समस्त औद्योगिक क्षेत्रों हेतु जिला उद्योग केन्द्र, जयपुर (शहर) तथा जिले की 15 पंचायत समितियों, 10 नगरपालिकाओं व इनमें स्थित रीको व निजी औद्योगिक क्षेत्रों तथा औद्योगिक भूमि में संपरिवर्तित भूमि पर स्थापित उद्योगों की देखभाल हेतु जिला उद्योग केन्द्र जयपुर (ग्रामीण) का गठन किया गया।

जिले के प्रमुख खनिज स्त्रोत में मुख्य रुप से डोलोमाईट, लोह अयस्क, चायना क्ले, चूना पत्थर सिलिकामृदा सोपस्टोन, संगमरमर, क्वार्ट्ज एवं फेल्सपर आदि है।

जिले में कुल 46 औद्योगिक क्षेत्र है जिनका विकास रीको द्वारा किया गया है एवं जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में 23 औद्योगिक क्षेत्र रीको द्वारा विकसित हैः–

सीतापुरा जयपुर–फेज I] II] इपीआईपी, सीतापुरा फेज III] सीतापुरा फेज IV इन्स्टीट्यूषनल ऐरिया, सेज, सीतापुरा I, रामचन्द्रपुरा, सेज सीतापुरा सेज II

जयपुर उत्तर–विष्वकर्मा, मण्डा प्रथम मण्डा II] जैतपुरा, रेनवाल, कालाडेरा, 10 झोटवाडा, झोटवाडा विस्तार I, वीकेआईए विस्तार (बडमा) आकेडा डूंगर, झोटवाडा विस्तार II

जयपुर (ग्रामीण)–फुलेरा, कनकपुरा, बगरु ओल्ड, षाहपुरा, दूदू, बिन्दायका प्रथम द्वितीय, करतारपुरा, सुदर्षनपुरा विस्तार, 11 बाईस गोदाम12 सुदर्षनपुरा, मानपुरा माचेडी, कूकस, कूकस विस्तार बगरु विस्तार, बगरु विस्तार द्वितीय फेज, कान्ट कालवाड, कान्ट कालवाड विस्तार

<u>जयपुर दक्षिण</u>– बस्सी (फेज I एवं II) बस्सी (विस्तार), हीरावाला, मालवीया इण्ड एरिया, हीरावाला विस्तार, बस्सी विस्तार, बगराना यूडी, किलकीपुरा एसडी, बगरु छितोली, मानसरोवर, अप्रेल पार्क, जैम पार्क, आदि ।

जिला उद्योग केन्द्र, जयपुर (ग्रामीण) द्वारा MSME ACT अर्न्तगत 31.3.2021 तक 69785 लघु/मध्यम औद्योगिक उपक्रमों का उद्यमी ज्ञापन अभिस्वीकृत जारी किया गया है, जिसमें उद्यमियों द्वारा 909094.19 लाख रुपये का निवेश एवं 367541 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। जिले में कुल 37 वृहद स्तर की औद्योगिक इकाईयां कार्यरत है। जिसमें 3943.34 करोड़ रुपये का पूंजी विनियोजन कर 8658 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध है।

जिले में परम्परागत आर्टीजन के क्लस्टर्स भी प्राकृतिक रुप से उपलब्ध है। पं. स. गोविन्दगढ के ग्राम उदयपुरिया में चर्म जूती, कालाडेरा में आरातारी, सामोद में पेंटिंग, तिगरिया में गलीचा उत्पादन, पं. स. आमेर के ग्राम अनोपपुरा में चर्म जूती, जाहोता में हैण्ड ब्लॉक प्रिन्टिंग, नेवटा मे ब्ल्यू पोटरी, दूदू पं. के ग्राम कोटजेवर में ब्ल्यू पोटरी, बिचून में आरातारी, विराटनगर पं. स. के ग्राम छीतोली में संगमरमर के उत्पाद, मासिह का वास में गलीचा उत्पादन, पं. स. शाहपुरा के ग्राम मनोहरपुर में गलीचा बुनाई, पं. स. फागी के ग्राम माधोराजपुरा में पेन्टिग तथा पं. स. बस्सी के ग्राम राजपुरा पातलवास, बड़वा, बांसखो, जटवाड़ा, माधोगढ़ में हैण्डलूम पर उत्पादन करने वाले दस्तकारों का बाहुल्य है।

जयपुर (षहर) में मार्बल मूर्ति, जैम्स एवं ज्वैलरी का निर्माण, लाख चूड़ी, पीतल पर नक्काषी कार्य, चमड़े की जूतियों पर कषीदाकारी, जयपुरी रजाईयां, कपड़े पर आरातारी, कषीदाकारी, पेचवर्क सांगानेर में रंगाई छपाई व हैण्ड ब्लॉक प्रिंटिंग, छपाई, ब्ल्यू पोटरी का निर्माण वृहद स्तर पर किया जाता है।

जले में औद्योगिक क्लस्टर के रूप में शाहपुरा में ग्रेनाईट, बस्सी में प्लाईवुड, मिल्क प्रोडक्ट, आटा, कालाडेरा में कास्टिंग, सीमेन्ट पाईप, जैतपुरा में केबल वायर, दूदू में केटल फीड, कोरोगेटेड बॉक्स, बगरू में इन्डेक्स फर्नेस, री–रोलिंग मिल, हैण्डीक्राफ्टस, मिनरलस, एचडीपीई पाईप, पेस्टीसाईडस, मानपुरा माचेडी में लेदर, लेदर प्रोडक्टस, कूकस में इलैक्ट्रोनिक्स, कम्यूनिकेशन, होटल किशनगढ़ रेनवान में ग्वार गम, सरनाडूंगर में केबल एण्ड वायर, फुटवियर, मूर्तिकला, कोटलपुतली में सीमेंट की इकाईयां कार्यरत है।

जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में औद्योगिक क्लस्टर के रुप में रीको एवं महिन्द्रा लाईफ स्प्रोसेस डवलपर्स लि. के सहयोग से नेषनल हाईवे नं. 8 अजमेर रोड पर महापुरा कलवाडा में महिन्द्रा वर्ल्ड सिटी (सेज) के नाम औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया गया है। इस औद्योगिक क्षेत्र में करीब 3000 एकड भूमि (सेज एवं डीटीए द्वारा) विकसित किया गया है। इस औद्योगिक क्षेत्र में करीब 64 कम्पनीज (42 सेज एवं 22 डीटीए) के सहयोग से कम्पनीज की स्थापना हो चुकी है। करीब 6836 लोगों को प्रत्यक्ष रुप से तथा 2676 अप्रत्यक्ष रुप से कुल 9512 लोगों को रोजगार मिला है तथा करीब 2377 करोड रुपये का पूंजी निवेष हुआ है । इस औद्योगिक क्षेत्र में आई.टी.

जोन में 2 हैण्डीक्राफ्ट जोन में 1, इन्जीनियरिंग जोन में 1 तथा जैम्स एण्ड ज्वैलरी में कुल 5 बडी इकाईयों का उत्पादन षुरु हुआ चुका है इसके अतिरिक्त सेज जोन में 21 एवं डीटीए जोन में 3 इकाईयां कुल 24 इकाईयां उत्पादन में है वर्तमान में करीब 64 बडी कम्पनीज का अलग अलग जोनों में निवेष हो रहा है। जैसे जेबीसी, पैन्टो, रिक्सन्स, महेन्द्रा एण्ड महेन्द्रा, टीटीके, हैल्थ केयर, इन्फोसिस, मैट लाईफ, विप्रो, डियूक बैंक, एसबीआई बैंक, आईसीआईसी बैंक, एक्सल, न्यूक्लस, सोफटवेयर, निगारो साफटवेयर, क्यूएच, टेबलोर्स डाईनेमिक टेबल्स, पोलीमेडीक्योर, ग्रविटा इण्डिया, निटप्रो और रतन टैक्सटाईल आदि इकाईयों का पूंजीनिवेष हो रहा है।

जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में एन.एच. 8 अजमेर रोड, बगरु में टैक्सटाईल एवं हैण्ड ब्लॉक प्रिटिंग आदि उत्पादों को बढावा देने की दृष्टि से जयपुरइन्टीग्रेटेड टैक्स क्राफ्ट पार्क प्रा. लि. के द्वारा रीको औद्योगिक क्षेत्र में इन्टीग्रेटेड टैक्सटाईल पार्क (एसआईटीपी) औद्योगिक क्षेत्र का विकास 2006 से षुरु किया है। इस टैक्सटाईल पार्क (एसआईटीपी) के लिए करीब 25 एकड भूमि में से 23.42 एकड भूमि आवंटित की गई है। इस इस टैक्सटाईल पार्क के मुख्य उत्पाद हैण्ड ब्लॉक प्रिंटिंग, स्क्रीन प्रिटिंग, गारमेंट मेकिंग, मेडप्स मैकिंग आदि है तथा इस टैक्सटाईल पार्क में 23 भूखण्ड विभिन्न इकाईयों को आवंटित है। जिनमें 20 इकाईयां स्थापित होकर उत्पादनरत है। इस टैक्सटाईल इन्टीग्रेटेड पार्क में करीब 80.72 करोड का पूंजीनिवेष प्रस्तावित है। जिसमें करीब 65.00 करोड रुपये का पूंजीनिवेष हो चुका है तथा 4400 लोगों को रोजगार मिला है एवं करीब 100.00 करोड रुपये का टर्न ओवर हुआ है। सरकार द्वारा एसआईटीपी (एसपीबी) लगाने हेतु करीब 24.06 करोड रुपये की सहायता दी है। इस टैक्सटाईल पार्क के विकसित होने से टैक्सटाईल एवं हैण्ड ब्लॉक प्रिंटिग उत्पादों के उत्पादन में व विकास में तथा रोजगार की दृष्टि से आपार संभावनाऐं है।

जयपुर (शहर) में मार्बल कटिंग एण्ड पॉलिषिंग, सेमी प्रीषियस, प्रीषियस, स्टोन कटिंग व पॉलिषिंग, रि–रोलिंग मिल, वॉल वियरिंग उत्पादन कार्य, कास्टिंग कार्य, जूते चप्पल निर्माण, सीतापुरा में रेडीमेड गारमेंटस, वुडन फर्नीचर, एनर्जी मीटर, आयुर्वेदिक दवाईयों के निर्माण की ईकाईयां मुख्य रुप से कार्यरत है।

संभावित औद्योगिक विकास के क्रम में राज्य से गुजरने वाले प्रस्तावित उत्तर पश्चिम रेल्वे फ्रेट कोरीडोर की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। यह कोरीडोर जयपुर जिले से होकर गुजरेगा। मुख्य रुप से पं. स. सांभर के फुलेरा, किशनगढ़ रेनवाल पं. स. दूदू में ग्राम दूदू, गोविन्दगढ पं. स. क्षेत्र में कालाडेरा औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार इससे लाभान्वित होंगे। इस फ्रेट कोरीडोर के बनने से रेल्वे लाईन के दोनों तरफ स्थापित औद्योगिक क्षेत्रों के विकास को गति मिलेगी एवं नये क्षेत्रों के विकास की सम्भावना भी बढेगी।

मौजूदा औद्योगिक स्थिति

बड़े और मध्यम स्तर के उद्योग

31 मार्च, 2020 तक जयपुर जिले में 89 (चल रहे) बड़े और मध्यम स्तर के उद्योग थे और उनमें से बहुत सारे जयपुर ग्रामीण / शहर में और उसके आसपास स्थित हैं। इकाइयों की सूची अनुबंध II में दी गई है।

व्रहद उद्योग (31.3.2021)

जिला उद्योग केंद्र	इकाइयाँ (संख्या।)	निवेश (करोड़ रुपये में)	रोजगार (संख्या)
जयपुर ग्रामीण	33	4465.92	14312
जयपुर शहर	10	607.69	3310

माध्यम उद्यम - (Running) Up to 31.3.2021

जिला उद्योग केंद्र	इकाइयाँ (संख्या।)	निवेश (करोड़ रुपये में)	रोजगार (संख्या)
जयपुर ग्रामीण	20	221.82	2996
जयपुर शहर	5	55.27	2014

लघु उद्योग और सूक्ष्म उद्योग

1 अप्रैल, 2021 तक, जयपुर में कुल उद्यम पंजीकरण 57821 है, जिसमें 107011 व्यक्तियों की रोजगार संख्या और रुपये का निवेश है। वर्ष के दौरान 232999.00 लाख। हालांकि, डीआईसी में पंजीकृत इकाइयों की वार्षिक प्रवृत्ति, रोजगार सृजित और पिछले पांच वर्षों (2016-2020) में निवेश को निम्नलिखित तालिका में देखा जा सकता है:

पिछले पांच वर्षों (2016-2020) के दौरान पंजीकृत इकाइयों, रोजगार सृजित और निवेश का रुझान

S. No	Year	इकाइयां	रोजगार सृजन	निवेश
1.	2016	2754 UAM-13715	9212 65388	17905.10 129565.00
2.	2017	35600	210100	460488.00
3.	2018	23207	105773	204203.00
4.	2019	24387	107178	194507.00
5.	2020	25077	107011	232999.00

6.	2021			

जयपुर के विशेष आर्थिक क्षेत्र

जयपुर की दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से पश्चिमी तट के बंदरगाहों से समीपता इस जिले को निर्यात-उन्मुख औद्योगिक विकास के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं| सरकार का मुख्य उद्देश्य राज्य में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचा निर्मित करने तथा उद्योगों के लिए परेशानी मुक्त वातावरण प्रदान करने में सक्षम बनाने हेतु विशेष रूप से चिह्नित आर्थिक क्षेत्र विकसित करने का है। सरकार द्वारा रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, ऊनी कालीन आदि क्षेत्रों में राज्य की अंतर्निहित क्षमता का दोहन करने के लिए "उत्पाद विशिष्ट विशेष आर्थिक क्षेत्रों" के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। 165.15 अरब के निवेश की उम्मीद के साथ छह विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) को पहले से ही अधिसूचित किया जा चुका है जो निम्नांकित हैं-

1. महिंद्रा वर्ल्ड सिटी (जयपुर) लिमिटेड
2. सोमानी वर्स्टेड लिमिटेड खुशखेडा, भिवाड़ी, अलवर
3. जेनपैक्ट इंफ्रास्ट्रक्चर (जयपुर) प्रा. लिमिटेड
4. वाटिका जयपुर सेज डेवलपर्स लिमिटेड जयपुर
5. मानसरोवर औद्योगिक विकास निगम जोधपुर
6. आरएनबी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड बीकानेर (270 करोड़ रुपये)

जिला उद्योग केन्द्र, जयपुर (शहर)/ग्रामीण द्वारा एमएसएमई इन्वेस्टर फेसीलिटेषन सेंटर के माध्यम से उपलब्ध करवाई जा रही सेवायें

एमएसएमई फेसिलिटेषन सेंटर में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी विभिन्न योजनाओं से आगंतुकों द्वारा वांछित जानकारी/मार्गदर्षन उपलब्ध कराया जा रहा है।

1. जिला उद्योग केन्द्र में नव उद्यमी जो अपना उद्योग, सेवा कार्य एवं धंधा स्थापित करना चाहता है उसे जिले में उपलब्ध संसाधनों आधारित उद्योग की परियोजना, भूमि की उपलब्धता, वित्त की उपलब्धता, विभिन्न सरकारी विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं पंजीयन करवाने की जानकारी एवं सहयोग प्रदान करना।
2. एमएसएमई पॉलिसी, 2015 के अन्तर्गत देय सहायता एवं सुविधाओं की जानकारी प्रदान करना।
3. डैडम्े के लिए च्तपबम च्मतविउंदबम पॉलिसी, 2015 के अन्तर्गत देय सहायता एवं सुविधाओं की जानकारी प्रदान करना।
4. राजस्थान निवेष प्रोत्साहन योजना, 2014 एवं 2019 नवीनतम संषोधनों के साथ देय सहायता एवं सुविधाओं की जानकारी प्रदान करना।
5. स्टार्टअप पॉलिसी, 2015, के अन्तर्गत देय सहायता एवं सुविधाओं की जानकारी प्रदान करना।
6. सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी एमएसएमई योजनाओं की जानकारी

प्रदान करना।
7. मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत बेरोजगार युवाओं को मार्गदर्षन एवं आवेदन पत्र करने में सहयोग प्रदान कराना।
8. स्थापित उद्योगों को विभिन्न विभागों से विचाराधीन मामलों/समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर समस्याओं का निराकरण करवाना।
9. औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम 1959 के अन्तर्गत भूमि आवंटन हेतु मार्गदर्षन।
10. कृषि से अकृषि उपयोग नियम 1 2007 अन्तर्गत भूमि रुपान्तरण बाबत।
उक्त योजनाओं के निःषुल्क आवेदन पत्र उपलब्ध करवानाएवं उन्हें पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करना